

**विस्फूर्जित** पुं. (तत्.) 1. गर्जन 2. स्फुटन 3. सिकुड़न 4. परिणाम वि. 1. शब्दायमान 2. स्फुटित 3. कंपित।

**विस्फोट** पुं. (तत्.) 1. फटना, फूट पड़ना 2. आंतरिक अग्नि का फूटकर बाहर निकलना 3. गैस-बारूद आदि का आग अथवा ताप के कारण फटकर बाहर निकल पड़ना।

**विस्फोटक** वि. (तत्.) 1. धमाके से फटने वाली वस्तु 2. (पदार्थ) जो आंतरिक अग्नि के कारण धड़ाका करते हुए फट जाए।

**विस्फोटन** पुं. (तत्.) 1. विस्फोट उत्पन्न करना 2. धमाका/धड़ाका करना 3. विस्फोट।

**विस्मय** पुं. (तत्.) 1. आश्चर्य, ताज्जुब 2. अद्भुत रस का एक स्थायी भाव (यह अनेक प्रकार के अलौकिक अथवा विलक्षण पदार्थों के वर्णन करने या सुनने से मन में उत्पन्न होता है) 3. संदेह, शक 4. अभिमान, अहंकार।

**विस्मयकारी** वि. (तत्.) विस्मय उत्पन्न करने वाला, आश्चर्यजनक।

**विस्मयाकुल** वि. (तत्.) विस्मित, आश्चर्यचकित, आश्चर्ययुक्त।

**विस्मयादिबोधक** पुं. (तत्.) 1. अव्यय का एक भेद 2. आश्चर्य, प्रसन्नता, घृणा, खेद आदि को प्रकट करने वाला शब्द, विस्मयादिबोधक अव्यय का चिह्न।

**विस्मयाविष्ट** वि. (तत्.) विस्मित आश्चर्य चकित, आश्चर्य युक्त।

**विस्मरण** पुं. (तत्.) विस्मृति, याद या स्मरण का न रहना, भूल जाना।

**विस्मापन** वि. (तत्.) आश्चर्य में डालने वाला, विस्मय जनक पुं. 1. कामदेव 2. बाजीगर 3. कुहक, माया।

**विस्मित** वि. (तत्.) चकित, आश्चर्य में पड़ा हुआ।

**विस्मृत** वि. (तत्.) भूला हुआ, जो स्मरण न हो।

**विस्मृति** स्त्री. (तत्.) विस्मरण, भूल जाना उदा. 'विस्मृति आ अवसाद घेर ले नीरवते! बस चुप कर दे' -कामायनी (चिंता सर्ग) जयशंकर प्रसाद।

**विस्मेर** वि. (तत्.) चकित, आश्चर्यचकित, भौचक्का।

**विसंस** पुं. (तत्.) 1 पतन 2. क्षरण 3. क्षय 4. ढीलापन 5. निर्बलता, कमजोरी।

**विस्र** पुं. (तत्.) 1. मुर्दा जलने की गंध 2. कच्चे माँस की गंध 3. बड़ी मूली।

**विस्रब्ध** वि. (तत्.) 1. विश्वस्त 2. निर्भीक 3. शांत 4. धीर, दृढ़ 5. विनम्र।

**विस्रव** पुं. (तत्.) रिसना, टपकना, बहना, बूँद-बूँद टपकना, चूना।

**विस्रवण** पुं. (तत्.) 1. क्षरण, स्राव, बहाव 2. टपकना, चूना, रिसना।

**विस्राम** पुं. (तत्.) दे. विश्राम।

**विस्रावण** पुं. (तत्.) 1. बहाना 2. रक्त बहाना 3. अर्क चुआना 4. गुड़ की बनी एक तरह की शराब।

**विस्रुति** स्त्री. (तत्.) क्षरण, बहाव।

**विस्वर** वि. (तत्.) 1. बेसुरा 2. कर्कश 3. बेमेल।

**विस्वाद** वि. (तत्.) 1. स्वाद से रहित, स्वादहीन 2. फीका।

**विहंग** पुं. (तत्.) 1. पक्षी 2. बादल 3. तीर 4. सूर्य।

**विहंगम** पुं. (तत्.) 1. पक्षी 2. सूर्य उदा. "विपिन बीच विहंगम वृंद का कल निनाद वधर्वित था हुआ" -प्रियप्रवास, हरिऔध।

**विहंगमा** पुं. (तत्.) 1. मादा चिड़िया 2. बहंगी, वह लकड़ी जिसके दोनों सिरों पर बोझ बाँधकर लटकाया जाता है।

**विहग** पुं. (तत्.) 1. पक्षी 2. बादल 3. तीर 4. सूर्य 5. चंद्रमा 6. ग्रह।

**विहगावली** स्त्री. (तत्.) पक्षी समूह उदा. "ध्वनिमयी विविधा विहगावली उड़ रही नभ मंडल मध्य थी" -प्रियवास, हरिऔध।